ment of the People's Republic of China dealt only with border trade, pilgrimage and transfrontie movement of people between India and the Tibet region of China and facilities connected therewith to be accorded both sides. The Agreement lapsed in 1962

(b) In view of what is stated above the question does not arise

Nirodh and Rubber Medical Equipment Factory at Betul

3139 SHRI PARMANAND GOVINDJIWALA Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state

(a) is it true that Marketing Executive of Family Welfare Department has visited Betul (M P) to see whether it was a fit place for the establishment of a factory for the manufacture of 'Nirodh" and rubber medical equipmen s,

(b) if so whether any report has has been submited to Government, and

(c) have Government taken any decision in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WFLFARE (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV) (a) Yes, Sir

Other places were also visited, Betul was one of them

(b) Yes Sir

(c) Tentative decision has been taken for setting up plant at Dehra Dun (U P)

मंत्रालय के सम्बद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा अधिनियम की क्रियान्विति

3140 श्री नवाब सिंह चौहान : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या उनके मंत्रालय/विभाग ने अपने सभी सम्बद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों का ध्यान राजभाषा अधिनियम, 1968 तथा उसके अधीन जून 1976 में बने नियमों की ओर आकर्षित किया है तथा उनके पालन के लिये अनुदेश जारी किये हैं,

(ख) यदि हां, तो क्या उनका मंत्रालय/विभाग इस बात से सन्तुष्ट है कि उक्त अधिनियम तथा उसके अधीन बने नियमों का पालन पूरी तरह किया जा रहा है, और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और उनके पूरी तरह पालन के लिये क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा) (क) से (ग) इस मंत्रालय के दो विभाग हैं—इस्पात विभाग और खान विभाग। दोनों विभागों की अलग-अलग स्थिति अनुलग्नक —1 और 2 में दी गई है।

विवरण—1

इस्पात विभाग

(क) जी, हां।

(ख) और (ग) इस्पात विभाग का मात्र एक सम्बद्ध कार्यालय लोहा और इस्पात नियंत्रण संगठन, कलकत्ता है। इसके छ प्रादेशिक कार्यालय है जो नई दिल्ली, कानपुर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद और मद्रास में स्थित है। जहां तक इस संगठन के मुख्यालय का सम्बन्ध है इसके अधिकतर अधिकारी और कर्मचारी द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भर्ती किए गए थे और उनमें से अधिकतर कर्मचारी अगले एक-दो वर्षों में सेवा-निवृत्त हो जायेंगे। शेष कर्मचारियों को हिन्दी हिन्दी टंकण/हिन्दी आशुलिपि के प्रशिक्षण के लिए भेजा जा रहा है और जैसे ही ये कर्मचारी प्रशिक्षण प्राप्त कर लेंगे सभी प्रशासनिक आदेश, परिपत्र आदि हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किए जा सकेंगे ऐसी आशा है, जहां